



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उग-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 380]

नई दिल्ली, मंगलवार, जुलाई 11, 2000/आषाढ़ 20, 1922

No. 380]

NEW DELHI, TUESDAY, JULY 11, 2000/ASADHA 20, 1922

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 11 जुलाई, 2000

सा. का. नि. 604 (अ).— लोक ऋण नियम, 1946 का और संशोधन करने के लिए प्रारूप नियम, लोक ऋण अधिनियम, 1944 (1944 का 18) की धारा 28 की उपधारा (i) की अपेक्षानुसार, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खंड 3, उपखंड (i) तारीख 12 मई, 2000 में, ऐसे सभी व्यक्तियों से, जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना थी, उस तारीख से, जिसको उक्त राजपत्र की प्रतियां जनता को उपलब्ध करा दी गई थी, पैंतालीस दिन की अवधि की समाप्ति से पूर्व, आक्षेप और सुझाव आमंत्रित करते हुए प्रकाशित किए गए थे;

और उक्त राजपत्र की प्रतियां 15 मई, 2000 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थी;

और उक्त प्रारूप नियम पर जनता से कोई आक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं हुआ है;

अतः अब, केंद्रीय सरकार, लोक ऋण अधिनियम, 1944 (1944 का 18) की धारा 28 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, लोक ऋण नियम, 1944 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:-

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लोक ऋण (संशोधन) नियम, 2000 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लोक ऋण नियम, 1946 में-

(i) नियम 7 के उपनियम (6) में 'किसी अनुसूचित बैंक की शाखा' शब्दों के पश्चात् निम्नलिखित शब्द अंतःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात्:-

"या सरकार के परामर्श से बैंक द्वारा राजपत्र में अधिसूचित कोई अन्य व्यक्ति";

(ii) नियम 9 में, उप नियम (2) में, "स्टाक पर स्टाक-ब्याज यदि कोई हो", शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:-

"स्टाक और बंधपत्र खाता लेखा-ब्याज, बंधपत्र खाता लेखा में धारित स्टाक और बंधपत्र पर, यदि कोई हो"

[फा. सं. 4(5)-पीडी/98]

टिप्पणी :- मुख्य नियम उस समय की वित्त-विभाग की दिनांक 20-4-1946 की अधिसूचना सं. एफ.9(1) बी/46 के अनुसार प्रकाशित किए गए थे और समय-समय पर उनमें संशोधन किया गया और ऐसा अन्तिम संशोधन दिनांक 29-4-1999 के सा.का. नि. सं.296(अ) के अनुसार प्रकाशित किया गया।

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 11th July, 2000

G.S.R. 604 (E).— Whereas the draft regulations further to amend the Public Debt Rules, 1946 were published, as required by sub-section (1) of section 28 of the Public Debt Act, 1944 (18 of 1944), in the Gazette of India, Extraordinary , Part II, Section 3 (i) dated the 12th May, 2000 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of forty-five days from the date on which the copies of the said Gazette were made available to the public;

And whereas, the copies of the said Gazette were made available to the public on 15th May, 2000;

And whereas, no objections or suggestions were received from the public on the said draft regulations;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the section 28 of the Public Debt Act, 1944 (18 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Public Debt Rules, 1944, namely:-

1. (1) These rules may be called the Public Debt (Amendment) Rules, 2000.
 (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Public Debt Rules, 1946, -
 (i) in rule 7, in sub-rule (6) after the words, "any branch of a scheduled bank authorized by the Reserve Bank of India in this behalf", the following words shall be inserted, namely:-
 "or any other person notified in the Official Gazette by the Bank in consultation with the Government";
 (ii) In rule 9, in sub-rule (2), for the words " Stock-Interest, if any on stock", the following words shall be substituted, namely :-
 "Stock and Bond Ledger Account-Interest, if any on stock and bonds held in Bond Ledger Account."

[F. No 4(5)-PD/98]

D SWARUP, Jt. Secy (Budget)

**oot Note:- The Principal rules were published vide the then Finance Department
 otification No.F.9(1)B/46, dated 20.4.1946 and amended from time to time and last such
 mendment was published vide GSR No.296(E), dated 29.4.1999.**